2023-24

संस्कृतम् (028) संशोधितः

नवमी कक्षा

सैद्धान्तिकपूर्णांकाः 80 अवधि घण्टात्रयम्

क खण्डः	अपठित–अवबोधनम्	10 अंकाः
ख खण्डः	रचनात्मकं कार्यम्	15 अंकाः
ग खण्डः	अनुप्रयुक्त–व्याकरणम्	25 अंकाः
घ खण्डः	पठित–अवबोधनम्	30 अंकाः

'क' खण्डः अपठित–अवबोधनम् **10 अंकाः**

(सरलगद्यांशम् आधारितं कार्यम्)

1. **80–100 शब्दपरिमितः गद्यांशः,** सरलकथा घटनावर्णनं वा 10 अंकाः
   - एकपदेन पूर्णवाक्येन च अवबोधनात्मकं कार्यम्
     अति–लघूत्तरात्मकौ (1 X 2=2), पूर्णवाक्यात्मकौ (2 X 2=4) (6)
   - समुचित शीर्षकप्रदानम् (1)
   - अनुच्छेद–आधारितं भाषिककार्यम् (बहुविकल्पात्मकाः) (1 X 3=3) (3)

   भाषिककार्यम् इत्यनेन अभिप्रेतम् अस्ति
   i. वाक्ये कर्तृक्रियापदचयनमृ
   ii. कर्तृक्रिया – अन्विताः
   iii. विशेषणविशेष्यः– अन्विताः
   iv. संज्ञास्थाने सर्वनामप्रयोगः अथवा सर्वनामस्थाने संज्ञाप्रयोगः
   v. पर्यायं विलोमं वा पदं दत्त्वा अनुच्छेदे दत्तं पदचयनम्

'ख' खण्डः रचनात्मकं कार्यम् **15 अंकाः**

(अभ्यासपुस्तक–आधारितम्)

2. संकेताधारितम् अभिनन्दनपत्रम्/वर्धापनपत्रम्/निमन्त्रणपत्रम्/प्राचार्य प्रति प्रार्थनापत्रम (1X5) (5)
3. संकेताधारितम् लघुकथा, चित्रवर्णनम् अनुच्छेदलेखनम् वा (1X5) (5)
4. हिन्दीभाषायाम् लिखितानां पंचवाक्यानां संस्कृतभाषयाम् अनुवादः (5X1) (5)

'ग' खण्डः अनुप्रयुक्त व्याकरणम् **25 अंकाः**

(अभ्यासपुस्तकम् आधारितम्)

5. **संस्कृतवर्णमाला** 03 अंकाः
   (अ) वर्ण– उच्चारणस्थानानि (1)
   (ब) वर्तनी–वर्णसंयोजनम्, वर्णवियोजनम् (1+1) (2)
6. **सन्धिकार्यम्** 03 अंकाः
   (अ) **स्वरसन्धिः** –दीर्घः, गुणः, वृद्धिः, यण् (1X1) (1)
   (ब) **व्यंजनसन्धिः** – जश्त्वसन्धिः, 'म्' स्थाने अनुस्वारः (1X1) (1)
   (स) **विसर्गसन्धिः** – उवतम्, रत्वम् (1X1) (1)
7. **शब्दरूपाणि** (बहुविकल्पात्मकाः) (3X1) 03 अंकाः
   अकारान्तपुल्लिंङ्गशब्दाः – बालकवत्
   इकारान्तपुल्लिंङ्गशब्दाः – कविवत्
   उकारान्तपुल्लिंङ्गशब्दाः – साधुवत्
   ऋकारान्तपुल्लिंङ्गशब्दाः – पितृवत्
   आकारान्तस्त्रील्लिंङ्गशब्दाः – लतावत्
   ईकारान्तस्त्रील्लिंङ्गशब्दाः – नदीवत्
   ऋकारान्तस्त्रील्लिंङ्गशब्दाः – मातृवत्
   हलन्ताः – राजन्, भवत्, विद्वस्, गुणिन्
   सर्वनामशब्दाः – अस्मद्, युष्मद्, तत्, इदम्, किम् (त्रिषु लिंगेषु)
8. **धातुरूपाणि** (बहुविकल्पात्मकाः) 03 अंकाः
   पठ्, गम्, वद्, भू, क्रीड्, नी, दृश, शक्, ज्ञा, अस्, कृ, दा, क्री, श्रु, पा(पिब्), सेव्, लभ् (पंचषु लकारेषु)

9. **कारक–उपपद–विभक्तयः** (बहुविकल्पात्मकाः) (4X1) 04 अंकाः

द्वितीया– अभितः, परितः, उभयतः, समया, निकषा, प्रति, धिक्, विना।
तृतीया– विना, अलम्, सह, हीनः, किम्, प्रयोजनम्,।
चतुर्थी–नमः स्वाहा, अलम् सामर्थ्ये,
पंचमी– बहिः, विना, भी, आरभ्य, प्र–मद्, परः पूर्वम्, अनन्तरम्
षष्ठी– निधार्रणे, पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, अनादरे तरप्–तमप्, अधः।
सप्तमी– कुशलः, निपुणः, प्रवीणः, स्निह्, विश्वस् अनु–रज्, भावे।

10. **प्रत्ययाः** (बहुविकल्पात्मकाः)– तुमुन्, क्त्वा, ल्यप्, क्त, क्तवतु, शतृ, शानच् (3X1) 03 अंकाः
11. **संख्याः** – 1–100 (1–4 केवलं प्रथमा–विभक्तौ) (4 X1 / 2) 02 अंकाः
12. **उपसर्गाः** (द्वाविंशतिः) (4 X1 / 2) 02 अंकाः
13. **अव्ययानि** (बहुविकल्पात्मकाः) (2X1) 02 अंकाः

स्थानबोधकानि – अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र
कालबोधकानि – यदा, तदा, सर्वदा, एकदा, पुरा, अधुना, अद्य, श्वः,ह्यः
प्रश्नबोधकानि – किम्, कुत्र, कति कदा, कुतः, कथम्, किमर्थम्
अन्यानि – च, अपि, यदि, तर्हि, यथा, तथा, सम्यक्, एव

'घ' खण्डः पठित अवबोधनम् 30 अंकाः

14. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम 05 अंकाः

प्रश्नप्रकाराः– एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि
भाषिककार्यम्–
वाक्ये कर्तृ– क्रिया पदचयनम्
विशेषण– विशेष्य चयनम्
पर्याय–विलोमपद– चयनम्

15. पद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम 05 अंकाः

प्रश्नप्रकाराः– एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि
भाषिककार्यम्–
वाक्ये कर्तृ– क्रिया पदचयनम्
विशेषण– विशेष्य चयनम्
पर्याय–विलोमपद– चयनम्

16. नाट्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम 05 अंकाः

प्रश्नप्रकाराः– एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि
भाषिककार्यम्–
वाक्ये कर्तृ– क्रिया पदचयनम्
विशेषण– विशेष्य चयनम्
पर्याय–विलोमपद– चयनम्

17. वाक्येषु रेखांकितपदानि अधिकृत्य उचित प्रश्ननिर्माणम् 04 अंकाः
18. श्लोकान्वयः / एकस्य श्लोकस्य संस्कृतेन भावार्थलेखनम् 03 अंकाः
19. घटनाक्रमानुसारं कथालेखनम् 04 अंकाः
20. (क) प्रसंगानुसारम् अर्थलेखनम् 02 अंकाः
(ख) शब्दानाम् अर्थैः सह मेलनम् 02 अंकाः
(पाठान् आधृत्य लघूत्तरात्मकाः प्रश्नाः)

आन्तरिक मूल्यांकनम्– 20 अंकाः

क्र0सं0	मूल्यांकनबिन्दवः	निर्धारितांकाः
1	श्रवण कौशलम् (LISTENING SKILL)	4
2	वाचन कौशलम् (SPEAKING SKILL)	4
3	परियोजना कार्याणि– अ) विषयवस्तवः, भाषा च प्रस्तुतिः च मौलिक कार्याणि ब) परियोजना कार्याधारिता: मौखिकपरीक्षा	 4 3
4	सतत मूल्यांकनम् (इकाई परीक्षा)	5
	सम्पूर्ण योगाः	**20**

कक्षा 9 में संस्कृत विषय में आन्तरिक मूल्यांकन निम्नवत् किया जायेगा–

आन्तरिक मूल्यांकन हेतु मूल्यांकन बिन्दु–

1. श्रवण कौशल (LISTENING SKILL)- सुनना (LISTENING)

वर्गित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप, वाद विवाद, भाषण, कविता पाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को जानना।

श्रवण (सुनना) का मूल्यांकन (ASSESSMENT OF LISTENING)

परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग 200 शब्दों का होगा। परीक्षक को सुनते–सुनते परीक्षार्थी अलग कागज पर दिये हुए श्रवण बोध के अभ्यासों को हल कर सकेंगे। अभ्यास रिक्त स्थान पूर्ति, बहुविकल्पीय प्रश्न अथवा सत्य/असत्य का चुनाव आदि विधाओं में हो सकते हैं।

2. वाचन कौशल (SPEAKING SKILL)- बोलना (SPEAKING)

- भाषण, वाद–विवाद
- गति, लय, आरोह–अवरोह सहित सस्वर कविता–वाचन
- वार्तालाप और उसकी औपचारिकताएँ
- कार्यक्रम–प्रस्तुति
- कथा–कहानी अथवा घटना सुनना
- परिचय देना, परिचय प्राप्त करना
- भावानुकूल संवाद–वाचन

वार्तालाप की दक्षताएँ

टिप्पणी– वार्तालाप की दक्षताओं का मूल्यांकन निरंतरता के आधार पर परीक्षा के समय होगा।

वाचन (बोलना) का मूल्यांकन (ASSESSMENT OF SPEAKING)

- चित्रों के क्रम पर आधारित वर्णनः इस भाग में अपेक्षा की जाएगी कि परीक्षार्थी विवरणात्मक भाषा का प्रयोग करें।
- किसी चित्र का वर्णनः (चित्र लोगों के या स्थानों के हो सकते हैं।)
- किसी निर्धारित विषय पर बोलना जिससे वह अपने व्यक्तिगत अनुभव का अनुस्मरण कर सकें।
- कोई कहानी सुनना या किसी घटना का वर्णन करना।

टिप्पणी–

1. परीक्षण से पूर्व परीक्षार्थी को तैयारी के लिए कुछ समय दिया जाय।
2. विवरणात्मक भाषा में वर्तमान काल का प्रयोग अपेक्षित है।
3. निर्धारित विषय परीक्षार्थी के अनुभव संसार के हों जैसे– कोई चुटकुला या हास्य–प्रसंग सुनाना, हाल में पढ़ी पुस्तक या देखे गये सिनेमा की कहानी सुनाना।
4. जब परीक्षार्थी प्रश्न पत्र प्रारम्भ कर दें तो परीक्षक कम से कम हस्तक्षेप करें।

3. परियोजना कार्य (PROJECT WORK)

विद्यार्थी को शैक्षिक सत्र में विषय से सम्बन्धित एक प्रोजेक्ट कार्य करना होगा। विद्यार्थी प्रोजेक्ट कार्य हेतु विषय से सम्बन्धित किसी भी टॉपिक का विषयाध्यापक से परामर्श कर चयन कर सकता है।

4. सतत मूल्यांकन–इकाई परीक्षा (CONTINUOUS ASSESSMENT- UNIT TEST)

कक्षा 9–

सत्र में कुल 04 इकाई परीक्षायें होंगी (02 इकाई परीक्षायें अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पूर्व तथा 02 अर्द्धवार्षिक परीक्षा के उपरान्त)। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल निर्माण हेतु प्रथम दो इकाई परीक्षाओं (प्रथम व द्वितीय) में से अधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लिये जायेंगे तथा इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा। इसी प्रकार वार्षिक परीक्षा के परीक्षाफल निर्माण हेतु अन्तिम दो इकाई परीक्षाओं (तृतीय व चतुर्थ) में से अधिक प्राप्तांक वाली इकाई परीक्षा के अंक लेकर इन अंकों को 05 के भारांक में परिवर्तित किया जायेगा।

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें–

1. **'शेमुषी'** प्रथमो भागः, (कक्षा 9) एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण।
2. **व्याकरणवीथिः**, व्याकरणपुस्तकम् एन0सी0ई0आर0टी0, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण।

****